गौरैया चिड़िया पर निबंध

इस पॉइन्ट के जरिए हम आपके सामने Gauraiya Chidiya Par Nibandh पेश करेंगे, जो कि आपको Text Format तो मिलेंगे ही, इसके साथ ही हम आपके लिए गौरैया चिड़िया पर निबंध PDF फाइल भी लोड करेंगे, जिससे आप डाउनलोड कर सकते है और बाद में जब मन चाहे उसे पढ़ सकते है। साथ ही अपने बच्चों के प्रोजेक्ट के लिए भी यूज कर सकते है। गौरैया चिड़िया पर निबंध कुछ इस प्रकार है

प्रस्तावना

गौरैया पक्षियों के पैसरीन परिवार की सदस्य हैं, जिन्हें आमतौर पर "सोंगबर्ड्स" या "पर्चिंग बर्ड" कहा जाता है। गौरैया आकार में अपेक्षाकृत छोटी होती हैं। कुछ कीड़े खाते हैं लेकिन वे मुख्य रूप से बीज खाने वाले पक्षी होते हैं और उनके शंकु के आकार के बिल उन्हें बीजों को भूनने में विशेषज्ञ बनाते हैं। वे अपनी पीठ और पंखों के साथ धारियों के साथ भूरे रंग के होते हैं। अक्सर उन्हें अलग करने का सबसे अच्छा तरीका उनके सिर और चेहरे पर रंग पैटर्न होता है।

गौरैया कई अलग-अलग आवासों जैसे कि दलदलों, घास के मैदानों, जंगलों, चरागाहों और हर चीज के बीच में पाई जा सकती हैं। गौरैया की 40 से अधिक प्रजातियां हैं जो उत्तरी अमेरिका में रहती हैं। कुछ काफी प्रचुर मात्रा में हैं जबकि अन्य केवल बहुत विशिष्ट क्षेत्रों में ही पाए जा सकते हैं। गौरैया तेजी से हो विलुप्त हो रही है, जिसके मद्देनजर हर साल 20 मार्च के दिन विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है, जिसके उद्देश्य गौरैया पक्षी को संरक्षण देना है और इन्हें विलुप्त होने से बचाना है।

गौरैया चिड़िया के प्रकार

गौरैया चिड़िया बहुत ही सुंदर पक्षी है जो इंसानों के लिए प्रकृति का खुबसूरत तोहफा है, लेकिन बढ़ते हुए पर्यावरण प्रदूषण को चलते और अन्य कई कारणो के वजह से गौरैया चिड़िया धीरे धीरे विलुप्त हो रही है। क्या आप जानते है कि गौरैया पक्षी के कई प्रकार है। नीचे हम आपको गौरैया के प्रकार के बारे में बताएंगे, जो आपको इस हर गौरैया पक्षी को एक दूसरे से विभिन्न करना सिखाएंगी। गौरैया पक्षी की विभिन्नता उनके बनावती ढंग के चलते उन्हें एक दूसरे से अलग बनाती है, जो कि कुछ इस प्रकार हैं।

वेस्पर स्पैरो:

वेस्पर स्पैरो की एक लंबी पूंछ और अपेक्षाकृत बड़ा शरीर होता है और यह निवास स्थान में परिवर्तन के लिए तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए जाना जाता है। यह मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के अधिकांश उत्तरी भाग और कनाडा के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।

ट्री स्पैरो:

यूरेशियन ट्री स्पैरो एक दुर्लभ प्रकार की गौरैया है और इसे आमतौर पर खेतों और जंगलों जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। हालाँकि, प्रदूषण, अधिक जनसंख्या, आदि जैसे बढ़ते पर्यावरणीय खतरों के कारण शहरी क्षेत्रों में इसे ढूंढना दुर्भाग्य से और भी कठिन है।

सफेद सिर वाली गौरैया:

www.easynotes.in

इस पक्षी का मूल उत्तरी अमेरिका में है और हालांकि सफेद सिर वाली गौरैया संख्या में बहुत अधिक हैं, फिर भी उनकी आबादी तेजी से घट रही है।

सॉन्ग स्पैरो:

सॉग स्पैरो को उत्तरी अमेरिका में पाई जाने वाली अन्य प्रकार की गौरैया की तुलना में सबसे आसानी से अनुकूलनीय और बहुतायत से पाई जाने वाली प्रजातियों में से एक माना जाता है।

लोमड़ी गौरैया:

यह गौरैया दूर के क्षेत्रों जैसे उत्तर और पश्चिमी पहाड़ों में घोंसले बनाने के लिए जानी जाती है। एक लोमड़ी गौरैया एक गीत-गौरैया से थोड़ी बड़ी होती है और इसे अक्सर या तो केवल सर्दियों के आगंतुक या बस एक प्रवासी के रूप में जाना जाता है।

गौरेया चिड़िया का महत्व

आपने अपने बगीचे में पक्षियों कि मधुर आवाज और सुंदरता का आनंद लिया होगा, लेकिन आप जो नहीं जानते होंगे वह यह है कि हमारे बगीचों और लॉन में सबसे आम छोटी चिड़िया जो हम अक्सर देखते हैं वह गौरैया है। अन्य पक्षी जो हमारे बगीचों और लॉन में घोंसला बनाते हैं, वे अक्सर गौरैया होती हैं। गौरैया अपनी चहचहाहट से प्रकृति की सुंदरता में इजाफा करती हैं, जिससे वे कई लोगों के लिए एक स्वागत योग्य दृश्य या प्रकृति का हिस्सा बन जाती हैं। गौरैया पौधों को बढ़ने में भी मदद करती हैं क्योंकि जब वे पौधों से खाती हैं, तो वे अपने गोबर में बीजों को पारित करती हैं जो पौधे को बड़े होने में मदद करता है। एक नया विशिष्ट प्रकार की घास जो प्राकृतिक रूप से उगाई जाती है, मवेशियों और अन्य जानवरों द्वारा भोजन के रूप में उपयोग की जा सकती है।

Importance of Sparrow Bird

जब ये जानवर इन घासों पर चरते हैं, तो यह न केवल गायों की मदद करता है बल्कि पशुओं के पालन-पोषण का एक नियमित चक्र भी सुनिश्चित करता है। गौरैया पर्यावरण के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं क्योंकि ये घरों में रखे फीडर से दानों को खाकर उन्हें आकर्षित करने के लिए बीजों के फैलाव में मदद करती हैं। वास्तव में, वैज्ञानिकों ने पाया है कि गौरैया केवल फीडर पर होने की तुलना में 15 गुना अधिक दूर तक बीज फैला सकती हैं।इस तरह, वे बगीचों और लॉन के आसपास नए आवासों को फैलाने में मदद करते हैं जहाँ ये पक्षी निवास करते हैं। इसका मतलब है कि पारिस्थितिकी तंत्र उनके अस्तित्व के साथ बेहतर सुधार करता है जिससे हम सभी को लाभ होता है। लेकिन यह प्रजाति पूरे पर्यावरण के लिए खतरा बनकर संकटग्रस्त हो गई है।

गौरैया का विलुप्त होना

वर्तमान में देखा गया है कि प्रदूषण और वनों की कटाई आदि के कारण तापमान में वृद्धि हुई है। इसलिए गौरैया भोजन और घोंसलों की तलाश में शहरों से पलायन कर रही हैं। हालांकि, ग्रामीण इलाकों में भी उन्हें चैन नहीं मिल पाता, क्योंकि गांव भी आबादी वाले होते हैं। इस पक्षी की आबादी के जीवन के लिए खतरे के बारे में लोगों को और अधिक जागरूक करने के लिए हर साल गौरैया दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों में इस प्यारी चिड़िया के जीवन को बचाने के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। गौरैया को बचाने के लिए बिहार में इस चिड़िया को राज्य पक्षी घोषित किया गया है ताकि हर कोई इस पर ध्यान दे सके और इसकी रक्षा के लिए गंभीर कदम उठा सके।

www.easyhindi.in

अगर समय रहते इन खूबसूरत पक्षियों के संरक्षण के लिए सही उपाय नहीं किए गए तो वह दिन दूर नहीं जब ये विलुप्त हो जाएंगे। पक्षी वैज्ञानिकों के अनुसार लोगों को अपने घरों में गौरैया को याद करने के लिए कुछ ऐसी जगह उपलब्ध करानी चाहिए जहां वे आसानी से अपना घोंसला बना सकें, अपने अंडे दे सकें और अपने बच्चों को हमलावर पक्षियों, बिल्लियों, कुत्तों, सांपों और लोमड़ियों से सुरक्षित रख सकें। हमें उनके जीवन की रक्षा के लिए कुछ उपाय करने का संकल्प लेना चाहिए।

उपसंहार

गौरैया सबसे खूबसूरत पक्षियों में से एक हैं। प्रदूषण और अन्य कारणों से ये पक्षी विलुप्त होने के कगार पर हैं। पक्षी विज्ञानी के अनुसार लोगों को अपने आश्रय के लिए अपने घरों में कुछ ऐसी जगह उपलब्ध करानी चाहिए, जहां वे आसानी से अपना घोंसला बना सकें और अपने अंडे दे सकें। ताकि इन आक्रामक पक्षियों को बचाया जा सके। ये कुछ बुनियादी कदम हैं जो इन पक्षियों को शिकारी पक्षियों से बचाने के लिए उठाए जाने चाहिए।

www.easyhindi.in